दिया तले अंधेरा

नगर परिषद अध्यक्ष की हवेली से सटे ठाकुर जलाशय में घटिया निर्माण सवालों के घेरे में

# 54 लाख का सौंदर्यीकरण ढाई साल बाद भी अधूरा

**डिंडोरी ,नवभारत 3 फरवरी।** दिया तले अंधेरा कहावत को तो आपने सुनी ही होगी, यदि नहीं सुनी और आपको इसका जीता जागता उदाहरण देखना है तो नगर के वार्ड क्रमांक 12 और 13 के मध्य बने ठाकुर जलाशय जाकर देखना होगा, जहां यह कहावत चरितार्थ होती नजर आएगी।

जलाशय क्षेत्र में ही नगर परिषद अध्यक्ष डिंडोरी की आलीशान हवेली है और उसी हवेली को संरक्षित करते हुए नगर परिषद डिंडोरी द्वारा अमृत 2.0 मद से लगभग 54 लाख रूपयों का सौंदर्यीकरण विगत ढाई से 3 वर्षों से किया जा रहा है। सूत्रों की माने तो उक्त निर्माण पर तकरीबन 20 लाख रूपयों का भुगतान भी परिषद द्वारा बालाघाट की एक फर्म के नाम कर दिया गया। अब यह भुगतान क्यों और किस आधार पर किया गया यह तो विभाग में पदस्थ जिम्मेदार ही बेहतर तरीके से बता सकते हैं, जबकि नवभारत ने निर्माण तिथि के बाद से ही घटिया निर्माण को लेकर सवाल उठाए थे।

### क्या ऐसे ही विकास करेंगी अध्यक्ष

आप यकीन करें या ना करें, लेकिन अध्यक्ष के घर से लगे हुए घटिया निर्माण पर नप अध्यक्ष ने जिस तरह मौन साध रखा है। इससे तो यही प्रतीत होता कि स्वयं को लाभान्वित करने की मंशा के साथ किए जा रहे घटिया निर्माण कार्य करने वाली फर्म को अध्यक्ष का खुला संरक्षण है। इस पूरे मामले में लोक निर्माण समिति के पीआईसी मेंबर और मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित उपयंत्रियों की भूमिका भी संदिग्ध है, जिन्होंने सब कुछ जानते समझते भी इस बेहद संवेदनशील मुद्दे पर खामोशी साध रखी है।

### अध्यक्ष पुत्र का वीडियो वायरल

आपको जानकर हैरत होगी कि लगभग दो रोज पूर्व ही उक्त निर्माण स्थल के पास से एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें अध्यक्ष पुत्र एक स्थानीय पत्रकार से सवाल-जवाब करते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो से स्पष्ट है कि पत्रकार को कवरेज करने से रोकने का पूरा प्रयास किया गया, लेकिन पैंतरा उल्टा पड़ गया और पत्रकार ने वीडियो वायरल कर दिया। अब इसमें अध्यक्ष पुत्र की क्या मंशा थी यह तो वही बेहतर तरीके से बता सकते हैं।

### कच्छप गति से चल रहा घटिया निर्माण

बता दें कि उक्त निर्माण कार्य का कार्यादेश 27 सितंबर 2023 को जय कुमार असाटी ठेकेदार, जिला बालाघाट के नाम से जारी किया गया था। जिसमें मापदंड निर्धारित किए गए थे कि मैटेरियल/क्रस्ड स्टोन ड्राइंग अनुसार एवं तकनीकी स्पेसिफिकेशन अनुसार ही 9 माह की अवधि में वर्षाकाल को मिलाकर किया जाना चाहिए, लेकिन 9 माह तो छोड़िए जनाब यहां तो ढाई वर्ष होने को है और कार्य आज भी अधर में वह भी धूल वाली डस्ट के साथ नियम - निर्देशों को धता बताते हुए ।

**इनका कहना है**

मेरे द्वारा जिम्मेदारों से जनता की मूलभूत आवश्यकताओं को लेकर मांग की गई थी, लेकिन मेरी नहीं सुनी गई और ना ही मुझे उक्त निर्माण के भूमि पूजन में बुलाया गया था। इसके अलावा निर्माण स्थल के आसपास ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य की जानकारी से संबंधित कोई बोर्ड भी नहीं लगाया गया।

**राजेश पाराशर, पार्षद**

जहां तक समयावधि की बात है तो परिषद द्वारा समय-समय पर अतिरिक्त समयावधि ली गई है। निर्माण में गुणवत्ता की बात है तो इसमें जोपीडीएमसी होती है (थर्ड पार्टी) वो काम की गुणवत्ता उसके आरई वगैरह रहते है, जिनके द्वारा पहले वैल्युएशन किया जाता है फिर उसके बाद यहां के इंजीनियर द्वारा वेरिफाई किया जाता है, कुछ इस तरह की प्रोसेसिंग रहती है। बाकी आपने जो जानकारी दी है मैं उसे एक बार पुन: देख लूंगा और संबंधित को निर्देशित करेंगे कि जो भी खामियां है उसमें सुधार करें।

**अमित तिवारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद डिंडोरी**

मुझे लगभग दो से तीन माह पूर्व ही पी आई सी में लोक निर्माण सभापति के पद से नवाजा गया, चूंकि आपके माध्यम से घटिया निर्माण किए जाने की बात सामने आई है तो आज ही मैं अपने अन्य पार्षद साथियों और जिम्मेदारों के साथ जाकर मौके का निरीक्षण करूंगा, तदनुसार ही आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

**रीतेश जैन, पार्षद व लोक निर्माण सभापति**

# पोड़की को हरा रेवांचल बनी चैम्पियन

ग्राम पंचायत खन्नाथ में क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

**करंजिया ,नवभारत 3 फरवरी।** करंजिया जनपद अंतर्गत वन ग्राम पकरीसोढ़ा, ग्राम पंचायत खन्नाथ में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सोमवार को उत्साहपूर्ण एवं रोमांचक माहौल में संपन्न हुआ।

फाइनल मैच रेवांचल एवं पोड़की टीम के बीच खेला गया। 10-10 ओवर के इस फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाज़ी करते हुए पोड़की टीम ने निर्धारित ओवरों में 87 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेवांचल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट से जीत दर्ज की और प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। वहीं पोड़की टीम उपविजेता रही।

### क्षेत्र की कई टीमों ने लिया था भाग

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डिंडोरी जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत खन्नाथ के सरपंच गजेंद्र सिंह धुर्वे ने की। विशेष अतिथियों में जनपद सदस्य प्रभु परस्ते एवं उप-सरपंच राधे सिंह पट्टा मौजूद रहे। प्रतियोगिता का संचालन खेल संचालक राम सिंह मार्को द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि यह क्रिकेट प्रतियोगिता 26 जनवरी से 2 फरवरी तक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र की अनेक टीमों ने भाग लिया।

# मध्यान्ह भोजन के बाद बच्चों से धुलवाई जा रही थाली

नियमों का खुलेआम हो रहा उल्लंघन, बाल अधिकारों का हनन

**करंजिया, नवभारत 3 फरवरी।** जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला पकरी में मध्यान्ह भोजन योजना के क्रियान्वयन में गंभीर लापरवाही सामने आई है। यहां पढ़ने वाले नाबालिग छात्र-छात्राओं से मध्यान्ह भोजन के बाद झूठे बर्तन (थाली) धुलवाने का कार्य कराया जा रहा है, जो न केवल शासन के स्पष्ट निर्देशों का उल्लंघन है, बल्कि बाल अधिकारों के संरक्षण कानूनों पर भी सीधा प्रहार है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाला में मध्यान भोजन का संचालन कर रही शंकर पार्वती स्व सहायता समूह के जिम्मेदार सदस्यों द्वारा बच्चों से बर्तन साफ कराए जा रहे हैं। जबकि मध्यान्ह भोजन योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार भोजन पकाने, परोसने एवं बर्तन साफ करने की पूरी जिम्मेदारी संबंधित स्व सहायता समूह की होती है, बच्चों से किसी भी प्रकार का श्रम लेना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

### कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन

विशेषज्ञों के अनुसार यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कई कानूनी उल्लंघन स्पष्ट रूप से नजर आते हैं। बच्चों से बर्तन धुलवाना बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 की श्रेणी में आता है। बाल अधिकारों का संरक्षण अधिनियम, 2015 बच्चों को अपमानजनक व असुरक्षित कार्य में लगाना दंडनीय है। मध्यान्ह भोजन योजना के राज्य एवं केंद्र शासन के दिशा-निर्देश है कि बच्चों से किसी भी प्रकार का कार्य लेना प्रतिबंधित है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत बच्चों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना विद्यालय की जिम्मेदारी है।

### कीचड़ में बर्तन, बच्चों की जान जोखिम में

बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर बच्चों से बर्तन धुलवाए जा रहे थे, वहां कीचड़ और फिसलन की स्थिति थी। ऐसे में छोटे बच्चों के गिरकर चोटिल होने की पूरी आशंका बनी हुई थी, लेकिन न तो स्कूल प्रबंधन और न ही समूह के सदस्यों ने इस ओर कोई ध्यान दिया।

### शिक्षक की चुप्पी पर उठे सवाल

मामले में जब प्राथमिक शाला पकरी के शिक्षक से सवाल किया गया तो उन्होंने कुछ भी कहने से साफ इनकार कर दिया। यह चुप्पी कई सवाल खड़े करती है और संकेत देती है कि पूरा मामला जिम्मेदारों के संरक्षण में दबाने की कोशिश की जा रही है।

**इनका कहना है**

आज दाल-चावल, सब्जी और खीर बच्चों को दी गई है। हम बच्चों से थाली नहीं धुलवाते, आज ही बच्चे धो रहे हैं।

**ललिता बाई, सदस्य, शंकर पार्वती स्व-सहायता समूह**

मामले की जानकारी मिली है। जांच के बाद यदि आरोप सत्य पाए जाते हैं तो विधिवत कार्रवाई की जाएगी।

**अजय राय, बीआरसी, विकासखंड करंजिया**

# शिक्षा के स्तर में वृद्धि करते हैं संस्कार : पांडे

पडवार सुहासिनी विद्यालय में वार्षिकोत्सव आयोजित

**चिल्हारी नवभारत 3 फरवरी।** शिक्षा संस्कारों से आती है, संस्कार माता-पिता और गुरुजनों की देन हैं। शिक्षित व्यक्ति ही संस्कार और अनुशासन का मूल्य समझ सकते हैं। उक्त विचार सुभाषिनी माध्यमिक विद्यालय पडवार में आयोजित वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए निवर्तमान जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे ने बच्चों और अविभावकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

श्री पांडे ने कहा कि आज के बच्चे कल का भविष्य है। बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कारों का प्रस्फुटन विद्यालय से ही होता है। विद्यालय में छात्र अध्ययन कर चरित्रवान और यशस्वी बनता है। कार्यक्रम में पंडित राम किशोर चतुर्वेदी जनपद अध्यक्ष मानपुर ने कहा कि अच्छी शिक्षा ग्रहण करने का मतलब है कि ज्ञान कौशल और मूल्यों को सीखना। कार्यक्रम में पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र गौतम, रमेश मिश्रा बेल्हा, अनिल द्विवेदी, लक्ष्मण सिंह, रमाकांत तिवारी, रमेश चौधरी, कमलेश गौतम, उदयभान द्विवेदी, राज ऋषि मिश्रा, रामकृष्ण माझी, रिषी राम तिवारी आदि मौजूद रहे।

# डुण्डीसरई में सरपंच कप वालीबॉल प्रतियोगिता 6 से

**अमरपुर नवभारत 3 फरवरी।** जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम डुण्डीसरई में आगामी 6 व 7 फरवरी को दो दिवसीय सरपंच कप वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के प्रथम विजेता टीम को 11101 रुपए नकद व ट्रॉफी, द्वितीय विजेता टीम को 5501 रूपए नकद व ट्राफी एवं तृतीय विजेता टीम को 2701 रूपए नकद व ट्रॉफी प्रदान किया जाएगा। इच्छुक टीमें 101 रूपए इंट्री फीस जमा कर भाग ले सकती हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष कल्याण सिंह धुर्वे, उपाध्यक्ष सेमलाल मरावी, सचिव जीवन मरावी, उपसचिव फूंदीलाल नेताम, कोषाध्यक्ष सागर मरावी व देवेंद्र कुमार धुर्वे द्वारा बताया गया कि सभी खिलाड़ी समय का विशेष ध्यान रखें। खेल खेलते समय विवाद होने पर दोनों टीमों को निरस्त कर दिया जाएगा।

# एक्स-रे और एनसीडी जांच की गई

कोसमडीह में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

**डिंडौरी ,नवभारत 3 फरवरी।** विगत दिवस स्वास्थ्य विभाग ने विकासखंड बजाग के ग्राम कोसमडीह में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को समय पर, सुलभ एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा। स्वास्थ्य शिविर के दौरान नागरिकों की एक्स-रे जांच की गई। साथ ही असंचारी रोग (एनसीडी) कार्यक्रम के अंतर्गत 139 लोगों की बीपी एवं शुगर जांच की गई। इसके अतिरिक्त टीबी रोग की जांच हेतु 18 खखार (स्पुटम) सैंपल एकत्रित किए गए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य परीक्षण कराया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके।

शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह धुर्वे, बीपीएम लल्ला यादव, रेडियोग्राफर श्री लोकेश भनोट, एसटीएस चंद्र विजय कुशराम, सेक्टर सुपरवाइजर एन.एस. उईके, सीएचओ शांति मरावी, एएनएम संगीता उईके सहित पैरामेडिकल स्टाफ एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा समन्वय के साथ सेवाएं प्रदान की गईं।

# बांधवगढ़ में बाघों की लाशों पर मनाया जा रहा 'लूट का उत्सव'

ताला जोन में मैनुअल पर्ची से अवैध वसूली और वीआईपी सेटिंग का धंधा बेखौफ जारी

**चिल्हारी नवभारत 3 फरवरी।** बाघों की कब्रगाह बने बांधवगढ़ में 20 दिन में 5 मौतों और लाठीचार्ज के शोर के बीच अब 'कालाबाजारी' का बड़ा खेल उजागर हुआ है। एसआईटी की नाक के नीचे ताला जोन में मैनुअल पर्ची से अवैध वसूली और वीआईपी सेटिंग का धंधा बेखौफ जारी है। वायरल पर्ची ने नियमों की धज्जियां उड़ा दी हैं।

हद तो तब हो गई जब जिम्मेदार अधीनस्थ स्टाफ ने दबी जुबान में कबूला कि पर्यटन अधिकारी कार्यालय से ही ऐसी पर्चियां बनकर आती हैं, हमें तो बस उस पर अमल करना होता है। इस खुलासे ने वन विभाग के 'भ्रष्टाचार' की पोल खोलकर रख दी है। वायरल हो रही यह पर्ची महज कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि वन विभाग के माथे पर लगा भ्रष्टाचार का वो दाग है, जिसे मिटाना आसान नहीं होगा। यह पर्ची पूर्णत: अवैध है।

### कैरिंग कैपेसिटी के नियम की उड़ाई जा रही धज्जियां

एनटीसीए नई दिल्ली द्वारा जारी 'नॉमेटिव स्टैंडर्डस फॉर टूरिज्म एक्टिविटीज, 2012' में स्पष्ट उलेख है कि प्रत्येक टाइगर रिजर्व को अपनी 'कैरिंग कैपेसिटी' का कड़ाई से पालन करना होगा। इसके तहत वाहनों की संख्या सीमित और निर्धारित है। साथ ही, मध्य प्रदेश शासन के स्पष्ट आदेश हैं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बुकिंग केवल 'कम्प्यूटरीकृत ऑनलाइन सिस्टम' (एमपी ऑनलाइन फरिस्ट पोर्टल) के माध्यम से ही होगी। मैनुअल पर्ची जारी करना सीधे तौर पर कैरिंग कैपेसिटी के नियम को तोड़ना है, जो कि वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1972 की धारा 38-ओ के तहत दंडनीय अपराध है।

### स्टाफ ने खोली पोल, साहब के ऑफिस से ही आती है पर्ची

इस पूरे मामले में ताला के पर्यटन अधिकारी (रेंज ऑफिसर) अंकित सोनी की भूमिका सवालों के घेरे में है। वायरल पर्ची पर उन्हीं की पदमुद्रा (सील) लगी है, लेकिन उनका कहना है कि मैं इस पची को नहीं जानता और इस पर मेरे सिग्नेचर नहीं है। उनका यह पल्ला झाड़ना तब और भी संदिग्ध हो जाता है, जब उन्हीं के अधीनस्थ स्टाफ ने इस फर्जीवाड़े की कलई खोल दी।

### स्टाफ ने कहा- हम तो बस हुक्म के गुलाम है

गेट पर तैनात और पर्ची प्रोसेस करने वाले स्टाफ ने साफ लफ्जों में कबूल किया है कि यह कोई पहली बार नहीं है। ऐसी पर्चियां सोधे पर्यटन अधिकारी कार्यालय (ऑफिस) से 'अलाऊ' होकर आती हैं। जब साहब के ऑफिस से घंटी आती है, तो हमें मजबूरी में उस पर साइन करना पड़ता है और गाड़ी छोड़नी पड़ती है। हम तो बस हुक्म के गुलाम है, विभाग के आगे हमारी क्या चलेगी?' स्टाफ का यह बयान साबित करता है कि अधिकारी झूठ बोल रहे है और यह पूरा सिंडिकेट उनकी नाक के नीचे चल रहा है।

### 1 फरवरी, 3 पर्यटक और अवैध एंट्री का सच

नवभारत की पड़ताल में इस वायरल पर्ची की एक-एक डिटेल की पुष्टि हो चुकी है। यह पर्ची जिप्सी क्रमांक एमपी-54-टी-1115 के लिए जारी की गई थी, जिसमें एक गाइड का नाम स्पष्ट रूप से रेखित है। पर्ची पर 'गाइड की पेड़ 800' की मुहर लगाकर अवैध वसूली की गई। पुष्टि हुई है कि 1 फरवरी 2026 को इसी फर्जी पर्ची के सहारे 3 पर्यटकों को 'वीआईपी' बताकर ताला जोन में अवैध सफारी कराई गई। बिना ऑनलाइन बुकिंग और बिना आईडी प्रूफ के इन तीन लोगों को सीधे गेट से अंदर भेजना सुरक्षा नियमों के मुंह पर तमाचा है।

**इनका कहना है**

मामला आपके द्वारा संज्ञान में लाया गया है। मैं प्रकरण को देखता हूं। दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

**अनुपम सहाय, फील्ड डायरेक्टर, बांधवगढ़ रिजर्व उमरिया**

सील तो मेरी है, लेकिन आपके द्वारा भेजी गई पर्ची में हस्ताक्षर मेरे नहीं है। मेरे हस्ताक्षर से इस वर्ष कोई भी पर्ची जारी नहीं हुई है।

**अंकित सोनी, पर्यटन अधिकारी, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया**

दहशत

ग्राम पंचायत खुड़िया रैयत का भवन हो गया जर्जर, कभी भी गिर सकता हैं सीलिंग का प्लास्टर

# कार्यालय के बाहर बैठकर सचिव व सरपंच कर रहे कार्य

**अमरपुर नवभारत 3 फरवरी।** जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत खुड़िया रैयत का ग्राम पंचायत कार्यालय भवन बहुत ही जर्जर हो गया हैं। इस भवन के अंदर बैठने पर इस बात का हमेशा भय बना रहता हैं कि कहीं सीलिंग का प्लास्टर ऊपर में न गिर जाए। यहां सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक बाहर बैठकर ही अपने शासकीय कार्य निपटाते नजर आते हैं।

ग्राम पंचायत सरपंच के अनुसार छत इतनी कमजोर हो गई हैं कि बारिश के मौसम में बारिश का पानी अंदर पंचायत भवन कार्यालय में भर जाता हैं। कक्षों में तो बरसात रुक जाने के बाद भी पानी टपकता रहता हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत कार्यालय के बाहर भी आधा घंटा बैठ पाना संभव नहीं हैं, क्योंकि ग्राम पंचायत के आसपास ग्रामीण नित्य क्रिया करते हैं, जहां स्वच्छता मिशन पूर्णत: असफल नजर आ रहा हैं।

### ग्राम पंचायत कार्यालय के आस-पास हैं गंदगी

ग्राम पंचायत कार्यालय में बैठने पर बदबू आने से लगता हैं कि कहीं उल्टि न हो जाए। शायद इस गांव में स्वच्छता मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण कार्य नहीं कराया गया हैं। ग्राम पंचायत कार्यालय के आस-पास इतनी गंदगी व्याप्त हैं कि ग्रामीणों में संक्रामक रोग फैलने की संभावना बढ़ जाती हैं।

**इनका कहना है**

किसकों क्या कहे, हमारी तो मजबूरी हैं कि हम लोग पंचायत का संचालन कर रहे हैं।

**ज्ञानी सिंह परतेती, सरपंच ग्राम पंचायत खुड़िया**

# बूथ स्तर तक प्रभावी कार्ययोजना बनाने पर जोर

विकसित भारत जी राम जी योजना को लेकर भाजपा मंडल शहपुरा में कार्यशाला आयोजित

**शहपुरा नवभारत 3 फरवरी।** भाजपा मंडल शहपुरा द्वारा विकसित भारत जी राम जी योजना के संबंध में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य योजना के लक्ष्यों, क्रियान्वयन और जन-जागरूकता को लेकर कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश देना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पंडित ज्ञानदीप त्रिपाठी ने योजना की अवधारणा, सामाजिक सहभागिता और संगठनात्मक मजबूती पर विस्तार से प्रकाश डाला। जिला उपाध्यक्ष संतोष साहू एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष मनोहर सोनी ने संगठनात्मक अनुभव साझा करते हुए बूथ स्तर तक प्रभावी कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हर

शक्ति केंद्र और हर बूथ पर समर्पित कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

**योजना के उद्देश्यों को जन-जन पहुंचाने का लिया संकल्प-** कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी गुड्डा सोनी, मंडल महामंत्री नितिन गुप्ता एवं वसंत कुशराम ने समन्वय और प्रचार-प्रसार की रणनीति पर विचार रखे। अंत में कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि योजना के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। कार्यशाला में सभी शक्ति केंद्र प्रभारी, पंच परमेश्वर, बूथ के त्रिदेव एवं देवतुल्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से राजेश साहू, अनूप गुप्ता, हरीश साहू, अरुण अग्रवाल, बबलू अवधिया, हीरालाल साहू, शांतिलाल साहू, रामलाल रजक, साधुराम भवेदी सहित शक्ति केंद्र प्रभारी राजा साहू, विजय साहू, मोहन बनवासी, किशन झारिया, अमित कछवाहा, पवन झरिया उपस्थित रहे।